Date
7/05/2020

Subject – (New Efforts in Elementary Education)
Topic – (DPEP)

D.El.Ed.
2nd Sem.

D P E P
↓ ↓ ↓ ↓
District Primary Education Programme

या

(जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम)

शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम को सन 1994 मे शुरू किया गया। इसके अन्तर्गत जिला विशेष के अनुसार नियोजन तथा पृथक, लक्ष्य निर्धारण के माध्यम से सभी को शिक्षा दिलाना, स्कूलो मे बालको को बनाए रखना, शिक्षा के स्तर मे सुधार करना एवं समाज के विभिन्न वर्गों मे असमानता कम करके साथ-साथ काम करना था। 2001 मे इसे भी सर्व शिक्षा अभियान के साथ जोड़ दिया गया।

DPEP का लक्ष्य सभी को शिक्षा दिलाना, शिक्षा के स्तर मे सुधार कर विभिन्न वर्गों मे असमानता कम करके साथ-साथ काम करना था।

DPEP योजना के अन्तर्गत तीन प्रमुख पक्षो पर विशेष बल दिया गया।

(i) भवन तथा संस्थागत क्षमता का सुदृढ़ीकरण,
(ii) गुणवत्ता मे सुधार, सम्प्राप्ति ह्रास मे कमी लाना।
(iii) प्राथमिक शिक्षा तक पहुँच का विस्तार करना।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के उद्देश्य :-

1. प्राथमिक शिक्षा के साथ सभी छात्रों को जोड़ना
2. औपचारिक शिक्षा प्रदान करना
3. छात्रों मे लैंगिक असमानता एवं भेदभाव को समाप्त करना
4. सभी अनुसूचित जाति व जनजाति के छात्रों को सहायक सामग्री प्रदान करना
5. जिला स्तर पर एकता के अवसर लागू करना
6. 25% अधिगम क्षमताओं को बढ़ाना।
7. प्राथमिक स्तर पर शिक्षा छोड़ चुके छात्रों को पुनः प्रा०वि० से जोड़ना
8. कार्यक्रम की पूर्ण सफलता
9. सामुदायिक कार्यक्रम की भागीदारी

DPEP की मुख्य विशेषताएँ :-

(1) इस प्रोग्राम के अन्तर्गत 1,77,000 अध्यापकों की नियुक्ति की गई।

(2) 1 लाख 60 हजार नए विद्यालय जिनमे 83 वैकल्पिक संस्थान है खोले गए, कार्यक्रम के अन्तर्गत ब्रीज कोर्स द्वारा 2 लाख बच्चो को शिक्षित किया गया।

(3) कार्यक्रम के अन्तर्गत 52,758 विद्यालय के भवनो का निर्माण, 16,119 संसाधन केन्द्र शुरू किए गए। विद्यालयों मे शौचालयों का निर्माण व 29,307 कमरो की मरम्मत की गई।

(4) साक्षरता अनुपात को 2001-02 मे 100% तक पहुँचाया गया।

(5) लड़कियों की संख्या मे वृद्धि तथा लगभग 48-49% उपस्थिति दर्ज की गई।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

(6) जिला स्तर पर 3,380 ससाधन केन्द्र तथा क्लस्टर स्तर पर 29,725 केन्द्र बनाए गए।

(7) कार्यक्रम के अन्तर्गत 4,20,203 विकलांग एवं अलग-अलग राज्यों से 5,53,844, बच्चे स्वस्थ शामिल किए गए।

(8) ग्रामीण विद्यालय के व्यक्ति तथा अभिभावकों के लिए ग्राम शिक्षा कमेटी व विद्यालय प्रबन्धन समिति का निर्माण किया गया।

D.P.E.P. के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु प्रमुख रणनीतियाँ हैं

1) निचले स्तर तक योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन में सहभागिता।

2) बालिका शिक्षा को विशेष महत्तव

3) विद्यालय की प्रभावकारिता बढ़ाने पर बल

4) वैकल्पिक शिक्षा का सुदृढ़ीकरण

5) सामुदायिक सहयोग एवं समानता पर बल

6) शिक्षक दक्षता में वृद्धि

Complete

Sudhi Yadav
7/05/2020

Scanned with CamScanner